



Hargharpanditji

॥ श्री कृष्ण मूल मंत्र ॥

श्रीकृष्णार्पणमस्तु

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कृष्ण मूल मंत्र ॥

श्री कृष्ण मूल मंत्र

॥ ॐ कृष्णाय नमः ॥

यह भगवान श्रीकृष्ण का सरल एवं अत्यंत प्रभावशाली मंत्र है।
इसका श्रद्धापूर्वक जप करने से मन में शांति, भक्ति और
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

2. श्री कृष्ण बीज मंत्र

॥ ॐ क्लीं कृष्णाय नमः ॥

यह मंत्र भगवान श्रीकृष्ण की कृपा, प्रेम, आकर्षण तथा
आध्यात्मिक उन्नति के लिए जपा जाता है। "क्लीं" को श्रीकृष्ण
का प्रमुख बीजाक्षर माना गया है।

3. श्री वासुदेव मंत्र

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यह भगवान श्रीकृष्ण का अत्यंत प्रसिद्ध द्वादशाक्षरी मंत्र है।
इसका नियमित जप करने से भगवान की कृपा, आत्मिक शांति
तथा आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होती है।

जप विधि

प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा या चित्र के सामने पूर्व या उत्तर
दिशा की ओर मुख करके बैठें।

दीपक एवं धूप अर्पित कर भगवान का ध्यान करें।

तुलसी की माला से 108 बार मंत्र का जप करना शुभ माना
जाता है।

जप के समय मन को एकाग्र रखें और भगवान श्रीकृष्ण के
स्वरूप का ध्यान करें।

जप पूर्ण होने पर भगवान से सुख, शांति, भक्ति तथा सद्बुद्धि की
प्रार्थना करें।

मंत्र जप के लाभ
मन को शांति और स्थिरता प्राप्त होती है।
भगवान श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम एवं भक्ति बढ़ती है।
नकारात्मक विचारों और मानसिक तनाव में कमी आती है।
आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।
जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, साहस और आत्मविश्वास का
विकास होता है।
भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से धर्म, ज्ञान और सदाचार के मार्ग
पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

॥ जय श्री कृष्ण ॥

